सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade 'A' by NAAC
[CGPA 3.05]

कला–संकाय

हिन्दी पाठ्यक्रम

(जून, २०१९ से अमलीकृत)

- प्रथम एवं द्वितीय सत्र अनिवार्य हिन्दी
- प्रथम एवं द्वितीय सत्र मुख्य हिन्दी (पेपर–१, २, ३, ४)
- प्रथम एवं द्वितीय सत्र गौण–१, गौण–२ हिन्दी (पेपर–१, २, ३, ४)

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण-१ गौण-२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	प्रथम	अनिवार्य	हिन्दी कहानी साहित्य : कथा सरिता एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१
२	स्नातक	प्रथम	मुख्य (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी कविता : हिन्दी कविता कल और आज	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१
३	स्नातक	प्रथम	मुख्य (पेपर-०२)	हिन्दी कहानी साहित्य : कहानी नई पुरानी	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
४	स्नातक	प्रथम	गौण-०१ (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०१	०१	०१
५	स्नातक	प्रथम	गौण-०१ (पेपर-०२)	कथाभारती	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
६	स्नातक	प्रथम	गौण-०२ (पेपर-०१)	आधुनिक हिन्दी काव्य	०१	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१
७	स्नातक	प्रथम	गौण-०२ (पेपर-०२)	कथाभारती	०२	०३	३०	७०		१००	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१
८	स्नातक	द्वितीय	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१
९	स्नातक	द्वितीय	मुख्य (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : शबरी	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१
१०	स्नातक	द्वितीय	मुख्य (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : दौड़	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१
१४	स्नातक	द्वितीय	गौण-०१ (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०२	०३	०१
१५	स्नातक	द्वितीय	गौण-०१ (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१
१६	स्नातक	द्वितीय	गौण-०२ (पेपर-०३)	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष	०३	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०२	०१	०२	०३	०१
१७	स्नातक	द्वितीय	गौण-०२ (पेपर-०४)	आधुनिक हिन्दी उपन्यास : आपका बंटी	०४	०३	३०	७०	–	१००	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी कहानी साहित्य : कथा–सरिता एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों की कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	एक टोकरी भर मिट्टी	माधवराय सप्रे का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'एक टोकरी भर मिट्टी' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
			'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी की कथावस्तु	'एक टोकरी भर मिट्टी' में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन				
			'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त संदेश				
	ईकाई–२	कफन	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'कफन' का मूल्यांकन				
			'कफन' कहानी का कथासार	'कफन' कहानी के पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ				
			'कफन' कहानी में व्यक्त सामन्ती औपनिवेशिक गठबंधन	'कफन'कहानी का परिवेश				
		पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'पुरस्कार' का मूल्यांकन				
			'पुरस्कार' कहानी की कथावस्तु	'पुरस्कार' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
			'पुरस्कार' कहानी में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना	'पुरस्कार' कहानी में व्यक्त देश–प्रेम				
	ईकाई–३	हार की जीत	सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र–चित्रण				
			'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु–प्रेम				
			कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
		व्याकरण	कहावत					
	ईकाई–४	व्याकरण	मुहावरें					
			समानार्थी शब्द					
			विलोमार्थी शब्द					
			कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	

	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – कहावत – समानार्थी शब्द, – मुहावरें – विलोमार्थी शब्द		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथा सरिता
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन डी – १९/२२० नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाड़ज अहमदाबाद (गुजरात) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपालदास – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
२. हिन्दी कहानी का इतिहास : लालचन्द्र गुप्त– राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
३. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
५. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
६. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
८. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
९. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१२. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
१४. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१५. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
१६. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१७. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१८. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष :२०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कविता : हिन्दी कविता कल और आज								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता से परिचित कराना ।
- कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- हिन्दी कविता का इतिहास समझाना ।
- छात्रों को हिन्दी कविता में व्यक्त भारतीय अस्मिता को समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय			अंक		क्रेडिट	
					नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	'माता की व्यथा'	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'माता की व्यथा' काव्य का भावार्थ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
			'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा की वात्सल्य-भावना	'माता की व्यथा' काव्य में यशोदा माता की विरह भावना				
		उर्मिला का अनुराग	मैथिलिशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'उर्मिला का अनुराग' काव्य में प्रेम भावना				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से उर्मिला का अनुराग' काव्य का मूल्यांकन	'उर्मिला का अनुराग' काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अन्वेषण	रामनरेश त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अन्वेषण' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अन्वेषण' काव्य का मूल्यांकन	'अन्वेषण' काव्य में व्यक्त ईश्वर प्रेम				
		विद्रोही	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'विद्रोही' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'विद्रोही' काव्य का मूल्यांकन	'विद्रोही' काव्य में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार				
	ईकाई-३	अरूण यह मधुमय देश हमारा	जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त भारतीयता				
			'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'अरूण यह मधुमय देश हमारा' कविता में व्यक्त प्राकृतिक सौंदर्य				
		आह्वान	सियारामशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आह्वान' काव्य का भावार्थ				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'आह्वान' काव्य का मूल्यांकन	'आह्वान' कविता में व्यक्त संदेश				
	ईकाई-४	वे मुस्काते फूल नहीं	महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
			भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का मूल्यांकन	'वे मुस्काते फूल नहीं' काव्य का भावार्थ				
		मैं नीर भरी दु:ख की बदली	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का भावार्थ	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में व्यक्त नारी की मनोव्यथा				
			'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य में महादेवी की अनुभूति	'मैं नीर भरी दु:ख की बदली' काव्य का काव्य सौष्ठव				
		कुल अंक एवं क्रेडिट			७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'माता की व्यथा ' की यशोदा – 'अन्वेषण' काव्य का उद्देश्य – 'अरूण यह मधुमय देश हमारा' काव्य का शीर्षक – 'उर्मिला का अनुराग' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'विद्रोही' कविता का शीर्षक – 'आह्वान' काव्य की भाषा – 'वे मुस्काते फूल नहीं' कविता का संदेश – 'मैं नीरभरी दु:ख की बदली' काव्य की प्रतीक योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी कविता : कल और आज
संपादक : दशरथ ओझा
प्राप्ति स्थान : एस. चंद एण्ड कंपनी (प्राईवेट लिमिटेड) रामनगर, नई दिल्ली – ११००५५

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य : कहानी नई पुरानी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'आकाश-दीप' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आकाश-दीप' कहानी का कथानक	'आकाश-दीप' कहानी में व्यक्त प्रेम और कर्तव्य का द्वन्द्व				
		कहानी कला के आधार पर 'आकाश-दीप' का मूल्यांकन	'आकाश-दीप' कहानी का सामुद्रिक परिवेश				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'नमक का दारोगा' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'नमक का दारोगा' कहानी का कथासार	'नमक का दारोगा' कहानी में व्यक्त सामाजिक समस्याएँ				
		कहानी कला के आधार पर 'नमक का दारोगा' का मूल्यांकन	'नमक का दरोगा' कहानी में व्यक्त समाज-संघर्ष				
		वृन्दावनलाल वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी कला के आधार पर 'शरणागत' का मूल्यांकन				
		'शरणागत' कहानी का कथानक	'शरणागत' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	यशपाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'परदा' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		'परदा' कहानी का कथानक	'परदा' कहानी में व्यक्त सामाजिक यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'परदा' का मूल्यांकन	'परदा' कहानी में वर्ण-संघर्ष				
		हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'मलबे का मालिक' कहानी में व्यक्त साम्प्रदायिकता				
		'मलबे का मालिक' कहानी का कथासार	'मलबे का मालिक' कहानी में देश-विभाजन की त्रासदी				
		कहानी कला के आधार पर 'मलबे का मालिक' का मूल्यांकन	'मलबे का मालिक' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-४	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'भोलाराम का जीव' कहानी में हास्य-व्यंग्य				
		'भोलाराम का जीव' कहानी की कथावस्तु	'भोलाराम का जीव' कहानी में व्यक्त भ्रष्टाचार				
		कहानी कला के आधार पर 'भोलाराम का जीव' का मूल्यांकन	'भोलाराम का जीव' कहानी का परिवेश				
		कमलेश्वर का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'साँप' कहानी में व्यक्त मनोवैज्ञानिकता				
		'साँप' कहानी का कथानक	'साँप' कहानी की प्रतिकात्मकता				
		कहानी कला के आधार पर 'साँप' कहानी का मूल्यांकन	'साँप' कहानी की भाषा-शैली				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था ' कहानी का शीर्षक – 'परदा' कहानी की संवाद योजना – 'नमक का दारोगा' कहानी का शीर्षक – 'भोलाराम का जीव' कहानी का उद्देश्य – 'आकाश-दीप'कहानी का उद्देश्य – 'शरणागत' कहानी की भाषा शैली – 'मलबे का मालिक' कहानी का उद्देश्य – 'साँप' कहानी का शीर्षक		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कहानी नई पुरानी
संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
प्राप्ति स्थान : नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद – ३७००१४

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०२	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का शीर्षक				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की नि:सारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०१ (पेपर-०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी-साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई-२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र-चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल-मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र-चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु-प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई-३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई-४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी-वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित-जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर माताद्दीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर माताद्दीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२-नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-०२ (पेपर-०१)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०३	०१	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण-१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कविता साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों की कविता लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को व्याकरण संबंधी जानकारी देना ।
- छात्रों की शब्द सम्पदा को विकसित करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	माखनलाल चतुर्वेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीयता	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पुष्प की अभिलाषा' का काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'पुष्प की अभिलाषा' का मूल्यांकन				
		'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार	'पुष्प की अभिलाषा' काव्य का शीर्षक				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का भावार्थ	'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त कवि की राष्ट्रीय चेतना				
		'कैदी और कोकिल' काव्य में व्यक्त भारतीय सेनानी यातना	'कैदी और कोकिल' काव्य का केन्द्रवर्ती विचार				
		'कैदी और कोकिल' काव्य का संदेश	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'कैदी और कोकिल' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	सूर्यकान्त त्रिपाठी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'तोड़ती पत्थर' का मूल्यांकन				
		'तोड़ती पत्थर' कविता का भावार्थ	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त शोषिक और शोषित का संघर्ष				
		'तोड़ती पत्थर' व्यक्त श्रमीक नारी की वेदना	'तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त आधुनिकता				
		'भिक्षुक' कविता का यथार्थ	'भिक्षुक' कविता में व्यक्त संदेश				
		'भिक्षुक' कविता में व्यक्त उपेक्षित वर्ग की करूणता	भावपक्ष एवं कलापक्ष दृष्टि में 'भिक्षुक' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का मूल्यांकन				
		'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'स्नेह निर्झर वह गया है' कविता का शीर्षक				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहान का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मुरझाया फूल' कविता का मूल्यांकन				
		'मुरझाया फूल' कविता का भावार्थ	'मुरझाया फूल' कविता में व्यक्त मनुष्य जीवन की नि:सारता				
		'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का केन्द्रवर्ती विचार	'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में व्यक्त देशप्रेम				
		वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता का मूल्यांकन				
	ईकाई-४	अज्ञेय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'हिरोशीमा' काव्य में व्यक्त विज्ञान के विध्वंसक रूप				
		'हिरोशीमा' काव्य का भावार्थ	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिरोशीमा' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' कविता का भावार्थ	'नदी के द्वीप' कविता का केन्द्रवर्ती विचार				
		'नदी के द्वीप' कविता में प्रतिकात्मकता	'नदी के द्वीप' कविता का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पुष्प की अभिलाषा' का उद्देश्य – 'स्नेह निर्झर वह गया है' का उद्देश्य – 'नदी के द्वीप' कविता का उद्देश्य – 'कैदी और कोकिल' का शीर्षक – 'मुरझाया फूल' कविता का शीर्षक – 'तोडती पत्थर' का शीर्षक – 'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता में शूरवीरता – 'भिक्षुक' का उद्देश्य – 'हिरोशीमा' में व्यक्त केन्द्रवर्ती विचार		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आधुनिक हिन्दी काव्य
संपादक : डॉ. पाराशर
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. छायावाद और उसके कवि : डॉ. इन्द्रराजसिंह – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
२. कविता की नयी अवधारणा : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
३. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : श्री निवास शर्मा – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
४. समकालीन हिन्दी कविता : ए. अरविंदाक्षन – तक्षशीला प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
६. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी : राजकमल प्रकाशन, सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
७. आधुनिक कविता यात्रा, राम स्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
८. नयी कविताएँ : एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
९. नयी कविता की पहचान : राजेन्द्र मिश्र : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नयी कविता : डॉ. देवराज – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
११. छायावादी काव्य में आत्माभिव्यक्ति : डॉ. शुभदा वाजपेयी – विकास प्रकाशन, कानपुर
१२. हिन्दी के प्रमुख कवि : रचना शिल्प : डॉ. अरविंद पाण्डेय, विकास प्रकाशन, कानपुर
१३. इक्कीसवीं सदी की हिन्दी कविता : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–०२ (पेपर–०२)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	कथाभारती								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०१	गौण–१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी कहानी साहित्य से परिचित कराना ।
- छात्रों को पुरानी हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को वर्तमान कहानी–साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- कहानी लेखन की सर्जनात्मक प्रतिभा को विकसित करना ।
- छात्रों को नई हिन्दी कहानी के साहित्य स्वरूप से अवगत कराना ।
- छात्रों को कहानी में निरूपित वैचारिकता से परिचित कराना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक		क्रेडिट	
				नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'उसने कहा था' का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'उसने कहा था' कहानी का कथानक	'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'उसने कहा था' कहानी में व्यक्त प्रेम, कर्तव्य और बलिदान	'उसने कहा था' कहानी का परिवेश				
		जयशंकर प्रसाद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'व्रत भंग' कहानी की 'राधा' का चरित्रांकन				
		'व्रत भंग' कहानी का कथासार	'व्रत भंग' कहानी के पुरुष पात्रों का चरित्रांकन				
		कहानी कला के आधार पर 'व्रत भंग' कहानी का मूल्यांकन	'व्रत भंग' कहानी का ऐतिहासिकता				
	ईकाई–२	प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	हामीद का चरित्र–चित्रण				
		'ईदगाह' कहानी का कथासार	'ईदगाह' कहानी में निरूपित बाल–मनोविज्ञान				
		कहानी कला के आधार पर 'ईदगाह' का मूल्यांकन	'ईदगाह' कहानी के चरित्रों का चरित्रांकन				
		सुदर्शन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	बाबा भारती का चरित्र–चित्रण				
		'हार की जीत' कहानी का कथानक	'हार की जीत' कहानी में व्यक्त पशु–प्रेम				
		कहानी कला के आधार पर 'हार की जीत' का मूल्यांकन	'हार की जीत' कहानी का भावार्थ				
	ईकाई–३	हरिशंकर परसाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी का कथावस्तु	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में व्यक्त व्यंग्यात्मकता				
		कहानी तत्त्वों के आधार पर 'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' का मूल्यांकन	'इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर' कहानी में निरूपित भ्रष्टाचार				
		उषा प्रियंवदा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	गजाधर बाबु का चरित्र चरित्रांकन				
		'वापसी' कहानी का कथानक	'वापसी' कहानी में व्यक्त सामाजिक असमानता				
		कहानी कला के आधार पर 'वापसी' का मूल्यांकन	'वापसी' कहानी में सेवासिद्धांतों की मनोदशा				
	ईकाई–४	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एव कृतित्व	सोमा बुआ का चरित्रांकन				
		'अकेली' कहानी का कथानक	'अकेली' कहानी में व्यक्त नारी–वेदना				
		कहानी कला के आधार पर 'अकेली' कहानी का मूल्यांकन	'अकेली' कहानी का परिवेश				
		ओमप्रकाश वाल्मीकि का व्यक्तित्व एव कृतित्व	'घुस पैठिये' कहानी के पात्रों का चरित्रांकन				
		'घुस पैठिये' कहानी का कथासार	'घुस पैठिये' कहानी में निरूपित दलित–जीवन का यथार्थ				
		कहानी कला के आधार पर 'घुस पैठिये' कहानी का मूल्यांकन	'घुस पैठिये' कहानी में वर्तमान शासन व्यवस्था के प्रति आक्रोश				
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'उसने कहा था' कहानी का शीर्षक – 'ईदगाह' कहानी में मुस्लिम परिवेश – 'इंस्पेक्टर माताद्दीन चाँद पर' कहानी की भाषा शैली – 'अकेली' कहानी का परिवेश – 'व्रतभंग'कहानी के शीर्षक की सार्थकता – 'ईदगाह' कहानी का संदेश – 'इंस्पेक्टर माताद्दीन चाँद पर' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का शीर्षक – 'व्रतभंग कहानी का उद्देश्य – 'हार की जीत' कहानी का उद्देश्य – 'वापसी' कहानी का संदेश – 'घुस पैठिये' कहानी का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : कथाभारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
सहसंपादक : डॉ. प्रविणसिंह चौहाण
प्राप्ति स्थान : पार्श्व पब्लिकेशन, १०२-नंदन कोम्प्लेक्ष, मीठाखली गाँव, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ : सुरेश चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
२. कहानी : नयी पुरानी : डॉ. नामवरसिंह – लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
३. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
४. नयी नहानी : परिवेश और परिपप्रेक्ष्य : डॉ. रतनकुमार पाण्डेय – विश्वविद्यालय प्रकाशन
५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया : डॉ. आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. कथा भारती : संपादक – डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर
७. हिन्दी कहानी : आठवाँ दशक : सरबजीत – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
८. आज की कहानी – डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. साठोत्तरी हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. के. एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. आधुनिक हिन्दी कहानी – सामाजिक चेतना : डॉ. एस. मेहरून, मिलिन्द प्रकाशन, हैदराबाद
११. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कुसुम वार्ष्णेय – साहित्य भवन, इलाहाबाद
१२. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१३. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय – राजकमल प्रकाशन, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली
१४. हिन्दी कहानी का इतिहास – लालचन्द्र गुप्त – राधाकृष्ण प्रकाशन, अंसारी मार्ग, नई दिल्ली
१५. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया – डॉ. आनंद – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : पंचवटी एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य संस्कृति की वैचारिकता के भेद को समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- पल्लवन एवं संक्षेपण के स्वरूप को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
	ईकाई-२	'पंचवटी' काव्य का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में इतिहास और कल्पना का समन्वय				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त भारतीय संस्कृति				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त पाश्चात्य संस्कृति				
	ईकाई-३	'पंचवटी' खण्डकाव्य के चरित्रों का चित्रण				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त प्रकृति, संदेश एवं शीर्षक की सार्थकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य की आधुनिकता				
		'पंचवटी' खण्डकाव्य में व्यक्त आदर्श राजनीति				
	ईकाई-४	पल्लवन				
		संक्षेपण				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'पंचवटी' खण्डकाव्य का वातावरण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : पंचवटी
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, १८४–तलैया, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण : डॉ. हरदेव बाहरी–लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिन्दी व्याकरण की सरल पद्धति : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
७. व्यावहारिक हिन्दी : कैलाशचन्द्र भाटिया – तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
८. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एक नया अनुशीलन : के. के. कृष्णन नम्बूदिरी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
९. लिपि वर्तनी और भाषा : डॉ. बदरीनाथ कपूर – विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
१०. प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण : विराज–राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली
११. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
१२. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
१३. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
१४. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
१५. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१६. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
१७. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१९. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन
२०. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२१. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
२२. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण– प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
२३. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
२४. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
२५. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
२६. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
२७. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : शबरी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर-०३)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्र श्रम, कर्म एवं धर्म का महत्व समझे ।
- 'जाति नहीं कर्म ही सर्वश्रेष्ठ है ।' उक्ति को छात्र समझे ।
- नरेश मेहता के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- शबरी की आत्मिक शक्तियों के साथ अपनी आत्मिक शक्तियों की तुलना करें ।
- छात्रगण जातिगत अधिकारों के बदले कर्मयत अधिकारों के प्रति जागृत हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : परंपरा एवं विकास				
		'शबरी' खण्डकाव्य की कथावस्तु				
		'शबरी' का खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
	ईकाई-२	'शबरी' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'शबरी' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त आध्यात्मिकता				
	ईकाई-३	'शबरी' खण्डकाव्य के चरित्रों का मूल्यांकन				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित वर्णव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में नारी चेतना				
		'शबरी' खण्डकाव्य में श्रम एवं भाग्य का संघर्ष				
	ईकाई-४	'शबरी' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'शबरी' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'शबरी' खण्डकाव्य में निरूपित राजव्यवस्था				
		'शबरी' खण्डकाव्य में व्यक्त दलित चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'शबरी' खण्डकाव्य की संवाद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'शबरी' खण्डकाव्य का मतंगऋषि		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।**
★ **नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।**
★ **बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।**
★ **नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**

पाठ्य पुस्तक : शबरी (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : नरेश मेहता
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. नरेश मेहता का काव्य संवेदना और शिल्प : अभियचन्द्र पटेल – आराधना ब्रधर्स, २२४/२५२ सी, गोविन्दनगर, कानपुर – २०८००६
२. नरेश मेहता के खण्डकाव्य एक अनुशीलन : प्रा. कविता शर्मा, २२–सप्तकिरण सोसायटी, सहजानंद कॉलेज समीप, अहमदाबाद–२५
३. नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन : प्रभाकर शर्मा – पंचशील प्रकाशन, फिल्म कोलोनी, जयपुर – ३०२००३
४. नयी कवित के प्रमुख हस्ताक्षर : संतोषकुमार तिवारी – जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार, मथुर
५. नरेश मेहता : कविता की उर्ध्वयात्रा : रामकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. शुभद्रा पाटील – विद्या प्रकाशन २२५/६८ के (एन.टी.सी.) गोविन्दनगर, कानपुर – ६
७. शबरी : महादेवी शर्मा – विद्यामंदिर लिमिटेड, नई दिल्ली
८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य में रामकथा का पुराख्यान : डॉ. पुष्पारानी – शांति प्रकाशन, आस–२२४४२ रोहतक, हरियाणा
९. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास : डॉ. पुष्पारानी – वाणी प्रकाशन, ६२–एफ, कमलानगर, दिल्ली
१०. नरेश मेहता और उनका महाप्रस्थान : कृष्णदेव शर्मा – रीगल बुक डीपो, दिल्ली
११. नरेश मेहता की वैष्णव काव्य–यात्रा : डॉ. विमला सिंह – शिल्पी प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास - दौड़								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	मुख्य (पेपर-०४)	०३	३०	७०	-	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य-रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी का अंतर समझे ।
- भूमण्डलीकरण, बाजारवाद, वैश्विकरण आदि के बारे में छात्र विस्तार से समझे ।
- छात्रों को वर्तमान शिक्षा-पद्धति से अवगत करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी महिला उपन्यासकारों में ममता कालिया का स्थान				
		'दौड़' उपन्यास की कथावस्तु				
		'दौड़' उपन्यास की पात्र-योजना				
	ईकाई-२	उपन्यास-कला के आधार पर 'दौड़' का मूल्यांकन				
		भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में 'दौड़' उपन्यास का मूल्यांकन				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त समस्याएँ				
		'दौड़' उपन्यास की संवाद-योजना				
	ईकाई-३	'दौड़' उपन्यास का शीर्षक				
		'दौड़' उपन्यास का उद्देश्य				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त उपभोक्तावादी संस्कृति				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त शिक्षा में भ्रष्टाचार				
	ईकाई-४	'दौड़' उपन्यास का परिवेश				
		'दौड़' उपन्यास की भाषाशैली				
		'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मार्क्सवादी चिंतन				
		'दौड़' उपन्यास का अन्त				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'दौड़' उपन्यास की वैचारिकता – 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना – 'दौड़' उपन्यास में व्यक्त बाजारीकरण – 'दौड़' उपन्यास की समसामायिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : दौड़ (उपन्यास)
लेखिका : ममता कालिया
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. फैमिदा बिजापुरे – विनय प्रकाशन, कानपुर
२. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
३. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
४. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
५. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
६. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
७. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
८. कथाकार : ममता कालिया : डॉ. रेखा मुळे – विकास प्रकाशन, कानपुर
९. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
११. भारतीय नारी : दशा और दिशा : आशा रानी व्होरा – नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१२. महिला उपन्यासकारों के रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : डॉ. शीलप्रभा वर्मा – विद्या विहार, कानपुर
१३. महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में नारीवादी दृष्टि : डॉ. अमर ज्योति – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१४. महिला कथाकार समाजशास्त्रीय एवं संकल्पना : डॉ. काश्मीरीलाल – भावना प्रकाशन, पटडगंज, दिल्ली
१५. महिला उपन्यासकारों की सामाजिक चेतना एवं शिक्षा : डॉ. सुनीता सक्सेना – आशा पब्लिशिंग कंपनी, आगरा

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९-२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण-१ (पेपर-०३)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य-स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई-१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		'नहुष' खण्डकाव्य का कथानक				
		'नहुष' का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई-२	'नहुष' खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		'नहुष' खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र-मूल्यांकन				
	ईकाई-३	'नहुष' खण्डकाव्य की शिल्प-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की संवाद-योजना				
		'नहुष' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई-४	'नहुष' खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		'नहुष' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'नहुष' खण्डकाव्य का नायक				
		'नहुष' खण्डकाव्य की रस-योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–१ (पेपर–०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास – आपका बंटी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण–१ (पेपर–०४)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य–रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र उपन्यास के उद्‌भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रत समस्याएँ				
	ईकाई–३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई–४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री-पु=षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–२ (पेपर–०३)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : नहुष								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण–२ (पेपर–०३)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र काव्य–स्वरूपों को समझते हुए खण्डकाव्य की महत्ता एवं लाक्षणिकता को समझे ।
- छात्रगण भारतीय आध्यात्मिक अस्मिता को गहराई से समझे ।
- राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को गहराई से समझे ।
- छात्र नहुष की चारित्रिक विशेषताओं को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
	ईकाई–१	मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी खण्डकाव्य : उद्‌भव एवं विकास				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य का कथानक				
		‘नहुष’ का खण्डकाव्य के रूप में मूल्यांकन				
	ईकाई–२	‘नहुष’ खण्डकाव्य का भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से मूल्यांकन				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य की प्रासंगिकता				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य के पात्रों का चरित्र–मूल्यांकन				
	ईकाई–३	‘नहुष’ खण्डकाव्य की शिल्प–योजना				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य की संवाद–योजना				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य की मिथकीयता				
	ईकाई–४	‘नहुष’ खण्डकाव्य का उद्देश्य				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य का नायक				
		‘नहुष’ खण्डकाव्य की रस–योजना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'नहुष' खण्डकाव्य में व्यक्त देवलोक – 'नहुष' खण्डकाव्य की छंद–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य की अलंकार–योजना – 'नहुष' खण्डकाव्य में अलौकिकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : नहुष (खण्डकाव्य)
कवि का नाम : मैथिलीशरण गुप्त
प्राप्ति स्थान : साहित्य–सदन, चिरगाँव, झांसी ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ. कमलाकांत पाठक – रणजीत प्रिन्टींग एण्ड पब्लिशर्स, दिल्ली – ६
२. मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. नगेन्द्र–मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर रोड, अजमेर
३. मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत: सूत्र: कृष्णदत्त पालीवल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अन्तर्कथाओं के स्रोत: डॉ. शशि अग्रवाल–हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
५. मैथिलीशरण गुप्त कवि और भारतीय संस्कृति के प्रखायता: उमाकान्त–नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली – १
६. मैथिलीशरण गुप्त : काव्य – संदर्भ कोश : डॉ. नगेन्द्र – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – ६
७. हिन्दी साहित्य के निर्माता: मैथिलीशरण गुप्त : डॉ. प्रभाकर माचवे – प्रभात प्रकाशन, दिल्ली – १
८. राष्ट्रीय चेतना के कवि: मैथिलीकरण गुप्ण : डॉ. अर्जुन शतपथी – पराग प्रकाशन, दिल्ली – ३२
९. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त : अभिनन्दन ग्रंथ : ज्ञानेन्द्र शर्मा – जनवाणी प्रिन्टर्स, कलकत्ता – ७
१०. गुप्तजी की कला : डॉ. सत्येन्द्र – साहित्य भण्डार, आगरा – १
११. मैथिलीशरण गुप्त : युग और कविता : डॉ. ललित शुक्ल – समान्तर प्रकाशन, नयी दिल्ली
१२. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१३. आधुनिक हिन्दी महाकाव्यों का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ. विश्वबन्धु शर्मा, सदभावना प्रकाशन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष : २०१९–२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–२ (पेपर–०४)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी उपन्यास – आपका बंटी								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०२	०४	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०२	गौण–२ (पेपर–०४)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र साहित्य–रूपों को समझते हुए उपन्यास की तात्त्विकता समझे ।
- छात्र उपन्यास के उद्भव एवं विकास को समझे ।
- छात्र मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जाने ।
- छात्र संदर्भित उपन्यास की मूल संवेदना को जाने ।
- छात्र हिन्दी उपन्यास में मनोवैज्ञानिक उपन्यास साहित्य को जाने ।
- छात्र समसामयिक परिस्थितियाँ एवं हिन्दी उपन्यास के तारतम्य को जाने ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	मन्नू भण्डारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी उपन्यास : उद्भव एवं विकास				
		'आपका बंटी' उपन्यास की कथावस्तु				
		उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	'आपका बंटी' उपन्यास में 'बंटी' का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास के पात्रों का चरित्रांकन				
		'आपका बंटी' उपन्यास की मूल संवेदना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रत समस्याएँ				
	ईकाई–३	'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त बाल मनोविज्ञान				
		'आपका बंटी' उपन्यास की आधुनिकता				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य जीवन				
		'आपका बंटी' उपन्यास का परिवेश				
	ईकाई–४	'आपका बंटी' उपन्यास में चित्रित नारी जीवन				
		वर्तमान मानव समाज के टूटते संबंध और 'आपका बंटी' की आलोचना				
		'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त अकेलापन की स्थिति				
		'आपका बंटी' उपन्यास की समसामयिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'आपका बंटी' शीर्षक सार्थकता – ' 'आपका बंटी' उपन्यास का उद्देश्य – 'आपका बंटी' उपन्यास में व्यक्त मातृ प्रेम – 'आपका बंटी' उपन्यास की संवाद योजना – 'आपका बंटी' उपन्यास की सकुन – 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा शैली		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : आपका बंटी
लेखिका : मन्नू भण्डारी
प्राप्ति स्थान : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. स्त्रीवाद और महिला उपन्यासकार : डॉ. वैशाली देशपाण्डे – विद्या प्रकाशन, 'सी' ४४९ गुजैनी, कानपुर
२. महिला उपन्यासकार : डॉ. मधु सिंह – निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली
३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
११. स्त्री-पु=षों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर